सकल जीएसटी संग्रह 8.1 प्रतिशत बढ़ा

फरवरी में जीएसटी का घरेलू संग्रह 5.3 प्रतिशत बढ़ा

शुद्ध जीएसटी संग्रह 2025 के मुकाबले 7.9% बढ़कर 1,61,014 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 01 मार्च. वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत सकल संग्रह फरवरी 2026 में 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1,83,609 करोड रुपये पर पहुंच गया. वित्त मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में जीएसटी का घरेलू संग्रह 5.3 प्रतिशत बढ़ा जबकि सीमा शुल्क संग्रह में 17.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी.

सकल घरेलू संग्रह 1,35,772 करोड़ रुपये पर रहा. सीमा शुल्क का कुल संग्रह 47,837 करोड़ रुपये दर्ज किया गया. जीएसटी के तहत फरवरी में कुल 22,595 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया जो सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. इस प्रकार शुद्ध जीएसटी संग्रह फरवरी 2025 के मुकाबले 7.9 प्रतिशत बढ़कर 1,61,014 करोड़ रुपये पर रहा. इसके अलावा सरकार ने उपकर के रूप में 563 करोड़ रुपये प्राप्त किये जबकि एक साल पहले यह राशि 13,481 करोड़ रुपये थी.

चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में फरवरी तक सकल जीएसटी संग्रह 8.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 20,27,033 करोड़ रुपये हो गया है. इस दौरान 2,70,261 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया जिससे शुद्ध जीएसटी संग्रह 17,56,772 करोड़ रुपये रहा.

> रिफंड में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है जबकि शुद्ध जीएसटी संग्रह 6.9 प्रतिशत बढ़ा है. पूरे वित्त वर्ष में अब तक 99,215 करोड़ रुपये का उपकर प्राप्त हुआ है जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि के दौरान 1,36,656 करोड रुपये के उपकर की प्राप्ति हुई थी.

एफपीआई ने फरवरी में की 37,847 करोड़ रुपये की लिवाली

मुंबई, 01 मार्च. विदेशी संस्थागत निवेशकों ने फरवरी में भारतीय पूंजी बाजार में 37,847 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की. शुद्ध लिवाली लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है. सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी है. अक्टूबर 2025 के बाद यह पहला मौका है जब एफपीआई ने इक्विटी में शुद्ध रूप से लिवाली की है. डेट में भी उनका निवेश 18,791 करोड़ रुपये बढ़ा है. वहीं, हाइब्रिड उपकरणों से उन्होंने 3,896 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है. म्यूचुअल फंड में उनका शुद्ध निवेश 337 करोड़ रुपये रहा है. दो महीने बाद एफपीआई लिवाल दिख रहे हैं.

भू-राजनैतिक स्थिति से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई, 01 मार्च. घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेश धारणा पर सबसे ज्यादा असर पश्चिम एशिया में सप्ताहांत में बनी भू-राजनैतिक स्थितियों का रहेगा. अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी की सुबह संयुक्त सैन्य कार्रवाई में ईरान पर हमला कर दिया.

इसके उत्तर में ईरान ने भी इजराइल और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकाने वाले कई देशों पर हमले किये. निवेशकों की नजर अब इस बात पर रहेगी कि क्षेत्र में परिस्थितियां किस प्रकार बदलती हैं और इन हमलों का क्या असर होता है. पूरी दुनिया के साथ भारतीय शेयर बाजारों पर भी आने वाले सप्ताह में इसका असर दिखेगा. साथ ही 27 फरवरी को जारी सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों का असर भी बाजार पर दिखेगा. इसके अलावा आने वाले सप्ताह में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के फरवरी के पीएमआई आंकड़े, जनवरी के औद्योगिक उत्पादन के सरकारी आंकड़ें और वाहनों की बिक्री के आंकड़े जारी होने हैं. इन सभी कारकों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी.

> सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.87 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.43 प्रतिशत टूट गया. सप्ताह के दौरान इटरनल का शेयर सबसे अधिक 8.37 प्रतिशत टूटा. टेक महिंद्रा में 6.86 प्रतिशत, भारती एयरटेल में 4.95, ट्रेंट में 4.61 और इंफोसिस में 3.90 प्रतिशत की गिरावट रही. इंफोसिस का शेयर 3.90 फीसदी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 3.26, बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस दोनों के 3.17, एचडीएफसी बैंक का 2.69, एलएंडटी का 2.28 और एशियन

ईरान की लड़ाई से निर्यातकों को व्यापार लागत बढ़ने की चिंता

नई दिल्ली 01 मार्च. भारतीय निर्यातकों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष ने स्थापित वैश्विक व्यापारिक मामल की राहों को बाधित करना शुरू कर दिया है.

निर्यातकों का कहना है कि हवाई मार्गों में बदलाव हो रहे हैं तथा लाल सागर और प्रमुख खाड़ी जलडमरूमध्यों के माध्यम से समुद्री व्यापार में अनिश्चितता बढ़ गई है. भारतीय निर्यात इकाइयों के शीर्ष मंच फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस के अध्यक्ष राल्हन ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यदि अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स के मार्गों में परिवर्तन लंबे समय तक जारी रहता है, तो माल को केप ऑफ गुड होप (आशा अंतरीप) के रास्ते भेजना पड़ सकता है, जिससे यूरोप और अमेरिका के लिए माल पहुंचाने के समय में अनुमानित 15-20 दिन की वृद्धि होगी. इससे माल ढुलाई लागत में वृद्धि होगी और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ेगा.

फियो अध्यक्ष का कहना है कि इसके अलावा, बढ़े हुए भू-राजनीतिक जोखिम के कारण आमतौर पर समुद्री बीमा प्रीमियम बढ़ जाते हैं, जिससे निर्यातकों के लिए लेनदेन लागत और बढ़ जाती है. एफआईईओ ने कहा कि लंबे समय तक व्यवधान वैश्विक ऊर्जा कीमतों पर भी दबाव डाल सकता है, जिसका इनपुट लागत और मुद्रा स्थिरता पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिसमें रुपये पर दबाव भी शामिल है.

रॉयल एनफील्ड ने फरवरी में 1,00,905 मोटरसाइकिलें बेचीं

चेन्नई, 01 मार्च. रॉयल एनफील्ड ने इस वर्ष फरवरी माह में 1,00,905 मोटरसाइकिलों की बिक्री की है जो एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 11प्रतिशत ज्यादा है. कंपनी ने पिछले वर्ष फरवरी में 90,670 मोटरसाइकिलें बेची थीं. इस बार फरवरी की कुल बिक्री में 9657 मोटरसाइकिलों का निर्यात भी शामिल है. मोटरसाइकिल विनिर्माता आइशर मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बी. गोविन्दराजन ने कहा, फरवरी में इस वित्तीय वर्ष में हमने जो सकारात्मक गति देखी है, वह जारी है, जो विभिन्न बाजारों में निरंतर मांग और हमारे बढ़ते वैश्विक समुदाय को दर्शाती है.

यात्री वाहनों की बिक्री में जारी रही तेजी

नई दिल्ली, 01 मार्च. वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती के बाद वाहनों की बिक्री में शुरू हुई दमदार तेजी फरवरी महीने में भी जारी रही.

खास बात यह रही कि फरवरी में देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री में मामूली वृद्धि हुई जबकि अन्य कंपनियों की बिक्री में तेज वृद्धि दर्ज की गयी. मारुति सुजुकी ने रविवार को बताया कि घरेलू बाजार में उसकी कुल बिक्री 1,64,130 इकाई रही. पिछले साल यह आंकड़ा 1,63,501 इकाई था. हालांकि निर्यात में 56.49 प्रतिशत की अच्छी बढ़ोतरी के कारण उसकी कुल बिक्री में 7.32 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गयी है. माह के दौरान कंपनी ने कुल 39,155 वाहनों का निर्यात किया और उसकी कुल बिक्री 2,13,995 इकाई हो गयी. इसमें दूसरी कंपनी (सुजुकी) के बेचे गये 10,710 वाहन भी शामिल हैं. घरेलू बाजार में कंपनी के यात्री वाहनों की बिक्री 1,61,000 इकाई और हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री 3,130 इकाई पर रही.

> टाटा समूह की कंपनी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल की घरेलू बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 62,329 इकाई रही. कंपनी ने 1,002 वाहनों का निर्यात किया जो सालाना आधार पर 167 प्रतिशत की वृद्धि दिखता है. इस प्रकार उसकी कुल बिक्री 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 63,331 इकाई दर्ज की

पीएम मित्र टेक्टसटाइल्स पार्क योजना को मिल रही है रफ्तार

विरुधुनगर में 23 निवशकों को भूखंड आवंटित

लगभग 2,192.21 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग खुला

नई दिल्ली, 01 मार्च. तमिलनाडु में विरुधुनगर स्थित पीएम मित्र पार्क (प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल उद्योग क्षेत्र) योजना के अंतर्गत 23 निवेशकों को कुल 190.44 एकड़ के बराबर औद्योगिक भूखंडों के आवंटन किये गये.

कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि विरुधुनगर पीएम मित्र पार्क के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को हुई बैठक में निवेशकों के प्रस्तावों पर ये आवंटन किये. इससे लगभग 2,192.21 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग खुला है. इन प्रस्तावों के कार्यान्वयन पर करीब 15,000 रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है. विरुधुनगर मेगा कपड़ा पार्क योजना में निवेश के इन स्वीकृत प्रस्तावों में एकीकृत संयंत्र, धागा, कपड़ा, प्रसंस्करण व फिनिशिंग, गारमेंट उत्पादन तथा टेक्निकल टेक्सटाइल्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रस्ताव शामिल हैं. बोर्ड की नवीं बैठक की अध्यक्षता वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने की. इसमें मंत्रालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे. पार्क में औद्योगिकी दूषित जल के शोधन की सुविधा स्थापित की जा रही है, जिससे पर्यावरण अनुकूल और सतत प्रोसेसिंग को बढ़ावा मिलेगा. इससे छोटे और मध्यम उद्योगों को भी स्वच्छ प्रसंस्करण सुविधाएं मिलेंगी.

> उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की पीम मित्र पार्क योजना के तहत विरुधुनगर सहित देश के सात स्थानों पर वृहद टेक्सटाइल उद्योग पार्क मंजूर किये गये हैं. विरुधुनगर लगभग 1,894 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है. इसमें जल-मल शोधन संयंत्र के अलावा 20 मेगावाट सोलर पावर प्लांट, केंद्रीकृत स्टीम बॉयलर और लगभग 13 लाख वर्गफुट में विकसित प्लग-एंड-प्ले इकाइयों के लिए काम करने की जगह विकसित की गयी है. यह पार्क राष्ट्रीय राजमार्ग -44 पर स्थित है और तूतीकोरिन बंदरगाह से मात्र 106 किमी दूर है. इस पार्क में करीब 550 करोड़ रुपये की अवसंरचना परियोजनाएं वर्तमान में प्रगति पर हैं.

विमान ईंधन की कीमत 5.74 प्रतिशत बढ़ी

महंगा हो सकता है हवाई सफर

नई दिल्ली, 01 मार्च. तेल विपणन कंपनियों ने लगातार दो बार की कटौती के बाद रविवार से विमान ईंधन की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी की है.

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में आज से विमान ईंधन की कीमत 5,245 रुपये (5.74 प्रतिशत) बढ़कर 96,638 रुपये प्रति किलोलीटर हो गयी है. यह दिसंबर 2025 के बाद का उच्चतम स्तर है. इससे पहले जनवरी और फरवरी में दाम घटाये गये थे. दोनों बार में कीमत में कुल 8,283 रुपये की कटौती की गयी थी जो 9.06 प्रतिशत के बराबर है.

विमान ईंधन के दाम बढ़ने से हवाई सफर महंगा हो सकता है. फ्लाइट के टिकट की कीमत में ईंधन का शुल्क भी शामिल होता है. विमान सेवा कंपनियों के

कुल व्यय का लगभग 35-40 प्रतिशत इसी मद में खर्च होता है. पहले से ही दबाव में चल रही विमान सेवा कंपनियों के ईंधन की बढ़ी लागत का बोझ सीधे यात्रियों पर डालने की संभावना है.

देश के दूसरे शहरों में भी विमान ईंधन महंगा हुआ है. कोलकाता में इसकी कीमत 5.44 फीसदी बढ़कर 99,587 रुपये और मुंबई में 5.82 प्रतिशत बढ़कर 90,452 रुपये प्रति किलोलीटर पर पहुंच गयी है.

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर दिल्ली में 28 रुपये महंगा

नई दिल्ली, 01 मार्च. तेल विपणन कंपनियों ने होली से ठीक पहले वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिये हैं जबकि घरेलू सिलेंडर के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया गया है. तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अनुसार, दिल्ली में रविवार से 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर 1,768.50 रुपये का हो गया है. यह मार्च 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है. वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में इस साल तीसरी बार वृद्धि हुई है.

नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,18,902 करोड़ रुपये घटा

मुंबई, 01 मार्च. घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही भारी गिरावट के बीच बीएसई की शीर्ष 10 में शामिल नौ कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 2,18,902 करोड़ रुपये घट गया जबकि हिंदुस्तान यूनीलिवर को एमकैप में फायदा हुआ है.

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का एमकैप सबसे ज्यादा 55,852 करोड़ रुपये घट गया. एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 37,580 करोड़ रुपये और विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का 34,846 करोड़ रुपये घट गया. बजाज फाइनेंस को एमकैप में 20,316 करोड़ रुपये और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस को 18,181 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ. सार्वजनिक क्षेत्र के एलआईसी का एमकैप 14,990 करोड़ रुपये कम हुआ. निर्माण एवं अभियांत्रिकी कंपनी एलएंडटी का बाजार पूंजीकरण 13,715 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का 13,061 करोड़ रुपये घट गया.

समाचार विशेष

मल्टी फेस किरदार जीतन राम मांझी

पटना. बिहार की राजनीति में अगर किसी नेता को बदलते समीकरणों का माहिर कहा जाए तो वह हैं जीतन राम मांझी. राज्यसभा चुनाव को लेकर एनडीए में अपनी दावेदारी पेश कर उन्होंने एक बार फिर हलचल मचा दी है.

बिहार की पांच सीटों में चार पर तो एनडीए की जीत पक्की मानी जा रही है और इसका कोटा भी जदयू और भाजपा के बीच पहले से तय कहा जा सहा है. लेकिन, पेच पांचवीं सीट को लेकर है. अब इस सीट को लेकर जीतन राम मांझी ने अपना दांव चल दिया है और अपनी दावेदारी जता दी है.

दरअसल, यह अहम इसलिए है क्योंकि वर्तमान राजनीति में एनडीए खेमा पांचवीं सीट जीतने की कवायद में राजद, कांग्रेस, लेफ्ट, आईएमआईएम और अन्य छोटी पार्टियों से तीन विधायकों को अपने पाले में करने की जुगत में लगा है, तो मांझी की यह डिमांड एनडीए की टेंशन बढ़ा रही है.

दरअसल, जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेकुलर भले ही सीटों के हिसाब से छोटी हो, लेकिन सियासी मोलभाव में उसकी भूमिका बड़ी मानी जाती है. मांझी साफ संकेत दे चुके हैं कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे आगे की रणनीति पर विचार करेंगे. ऐसे में राजनीति के जानकारों की नजर में मांझी का यही अंदाज उन्हें बिहार की राजनीति का मल्टी फेस किरदार बनाता है. एनडीए के भीतर हिस्सेदारी की बात हो या सीटों का समीकरण, जीतन मांझी खुलकर अपनी मांग रखते रहे हैं. इससे पहले भी वह विधानसभा सीटों को लेकर कड़ा रुख दिखा चुके हैं. यहां तक कि उन्होंने अपने

> **मांझी के तेवर से एनडीए में हलचल**
>
> आज मांझी हृष्ट का हिस्सा हैं और राज्यसभा सीट की मांग कर रहे हैं. लेकिन बिहार की राजनीति में कल क्या होगा, यह कोई नहीं जानता. उनका सियासी सफर बताता है कि वे मौके और संदेश दोनों को साथ लेकर चलते हैं. जीतन राम मांझी की कहानी सत्ता, सामाजिक प्रतिनिधित्व और राजनीतिक संतुलन की कहानी है. उनके कई चेहरे हैं. दलित नेता, पूर्व मुख्यमंत्री, गठबंधन सहयोगी और कभी कभी सख्त मोलभाव करने वाले रणनीतिकार. बिहार की राजनीति में उनका किरदार छोटा नहीं है.

राजनाथ से मुलाकात बाद बाह में चर्चाओं का दौर

आगरा. बाह विधान सभा क्षेत्र में चुनाव से पहले ही राजनीतिक रस्साकसी शुरू हो गई है. यहां आजादी के बाद से तीन चुनावों को छोड़कर भदावर घराने के उम्मीदवार के सिर ही जीत का ताज सजा. वर्तमान में भी भदावर घराने से पक्षालिका सिंह विधायक हैं.

शनिवार को पूर्व मंत्री अरिदमन सिंह की बहन मधुलिका सिंह की दिल्ली में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से हुई मुलाकात को लेकर क्षेत्र में अलग-अलग अटकलें लगाई जा

क्या पूर्व मंत्री की बहन को लाना चाहते हैं सांसद चाहर?

रही हैं. प्रश्न उठ रहा है कि क्या सांसद राजकुमार चाहर उन्हें बाह क्षेत्र की राजनीति में लाना चाहते हैं? बाह विधान सभा क्षेत्र में भदावर घराने की धमक आजादी के बाद से ही रही है. पहले महेंद्र रिपुदमन सिंह फिर अरिदमन सिंह यहां से लगातार विधायक रहे. वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में फतेहपुर सीकरी से चुनाव लड़े सांसद राजकुमार चाहर से भदावर घराने की दूरियां दिखीं थीं. बाह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की चुनावी सभा के मंच पर तल्खियां सामने आई थीं.

> **चुनाव पूर्व तस्वीर सामने आने से हलचल**
>
> विधान सभा चुनाव से पहले यह तस्वीर सामने आने से अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या पूर्व मंत्री की बहन को सांसद राजकुमार चाहर बाह की राजनीति में लाना चाहते हैं. इससे पहले भी वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में मधुलिका सिंह चर्चाओं में आई थीं. उनकी मध्यप्रदेश के नरसिंह गढ़ में ससुराल है. पूर्व मंत्री अरिदमन सिंह से उनकी लंबे समय से तल्खी चल रही है.

स्मृति को क्या मिलेगी राज्यसभा?

नई दिल्ली. यह लाख टके का सवाल है कि क्या स्मृति ईरानी का पुनर्वास होगा? उनके पास अभी कोई भी जिम्मेदारी नहीं है. इसलिए पिछले दिनों उन्होंने वापस फिल्मी दुनिया का रुख किया था.

अमेठी सीट पर कांग्रेस के किशोरी लाल से चुनाव हारने के बाद वे पार्टी नेतृत्व की नजरों में चढ़ नहीं पा रही हैं. लेकिन उसके बाद हो रहे राज्यसभा के दोवार्षिक चुनावों में उनको उम्मीद जगी है. जानकार सूत्रों का कहना है कि स्मृति ईरानी को राज्यसभा भेजा जा सकता है. पार्टी को संसद में उनकी जैसी वक्ता की जरुरत है. हालांकि साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि उनको नितिन नबीन की टीम में कई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है.

होने को तो कुछ दिन पहले इस बात की भी चर्चा हो गई थी कि उनको राज्यपाल बना कर पश्चिम बंगाल भेजा जा सकता है. लेकिन अभी वे राज्यपाल बनने की अवस्था में नहीं पहुंची है. तभी राज्यसभा की चर्चा चल रही है.

विशेष | **मणिशंकर अय्यर का छलका दर्द, ममता बनर्जी को बताया असली कांग्रेस**

मुझे निकालने की तैयारी में है कांग्रेस

नई दिल्ली. अपने बेबाक और अक्सर पार्टी की लाइन से हटकर दिए जाने वाले बयानों के लिए मशहूर वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर एक बार फिर सुर्खियों में हैं. इस बार चर्चा उनके किसी विवादित शब्द की नहीं, बल्कि उनके उस डर की है, जो उन्हें अपनी ही पार्टी के भीतर महसूस हो रहा है. कोलकाता में एक बातचीत के दौरान अय्यर ने सनसनीखेज दावा किया कि कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाने की तैयारी कर चुके हैं.

मणिशंकर अय्यर ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि मैं तो खुद को कांग्रेसी समझता हूं, लेकिन केसी वेणुगोपाल की बातों से ऐसा संकेत मिलता है कि या तो मुझे निकालने का फैसला हो चुका है या प्रक्रिया जारी है. अय्यर ने यह भी जोड़ा कि हालांकि उन्हें अब तक कोई आधिकारिक निष्कासन पत्र नहीं मिला है, लेकिन व्यवहारिक तौर पर ऐसा लगता है, जैसे कांग्रेस से उनका अब कोई लेना-देना नहीं रह गया है.

पूरी कांग्रेस तो दीदी के पास- अय्यर ने केवल अपने भविष्य पर ही नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल की राजनीति पर भी चौंकाने वाला बयान दिया. उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि आज की तारीख में पश्चिम बंगाल की असली कांग्रेस तो ममता दीदी के पास ही है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अधीर रंजन चौधरी जैसे कुछ नेताओं को छोड़ दें तो बंगाल के लगभग सभी कांग्रेसी ममता जी के साथ जा चुके हैं. उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भी ममता बनर्जी को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वे भाजपा को ऐसा मुंहतोड़ जवाब देंगी कि उनका चेहरा दिखाने लायक नहीं रहेगा.

> **टीएमसी के राइट हैंड से कांग्रेस के बागी तक का सफर**
>
> मणिशंकर अय्यर ने एक दिलचस्प वाकया साझा करते हुए बताया कि वे दिसंबर 1997 में टीएमसी में शामिल हुए थे और महज तीन हफ्तों के लिए ममता बनर्जी के नेशनल सेक्रेटरी और उनके दाहिने हाथ थे. लेकिन जल्द ही उन्हें अहसास हुआ कि टीएमसी मूलत: बंगालियों की पार्टी है और एक गैर-बंगाली होने के नाते वहां उनका भविष्य सीमित है, इसलिए वे वापस कांग्रेस में लौट आए.